

नववर्ष के द्वार पर खड़ा 2026 भारत के लिए केवल कैलेंडर का परिवर्तन नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संभावनाओं और नवप्रस्थान का संकेतक प्रतीक होता है। पिछले वर्षों की चुनौतियों और उपलब्धियों के बीच आगे बढ़ते हुए भारत आज जिस मुकाम पर खड़ा है, वहां उसकी आर्थिक ऊर्जा, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान, तीनों एक साथ परिपक्व होती दिखाई देती हैं। यह वही क्षण है जहां विकास केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय आत्मबोध का हिस्सा बन जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था 2026 में स्थिरता और गति, दोनों का संतुलित संगम प्रस्तुत कर सकती है। विनिर्माण, सेवाओं, अवसर और निर्यात का संयुक्त विस्तार देश की विकासयात्रा को नया आयाम दे रहा है। व्यापार में वृद्धि और वैश्विक साझेदारी-चेन का पुनर्संतुलन भारत को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्थापित कर रहा है। आर्थिक आकार के विस्तार से आगे बढ़ते हुए अब राष्ट्र की प्राथमिकता यह है कि विकास के लाभ समाज के अधिकाधिक वर्गों

## विश्वास और उम्मीद से भरा नया वर्ष

तक पहुंचें, यही प्रगति का सच्चा स्वरूप है। विश्व मंच पर भारत की उपस्थिति आज पहले से अधिक सशक्त और गरिमामयी है। वैश्विक दक्षिण की आवाज को अभिव्यक्ति देने में भारत की भूमिका निर्णायक बन चुकी है। जलवायु सहयोग, डिजिटल अवसरचना, आपदा प्रबंधन और बहुपक्षीय संवाद के क्षेत्रों में भारत एक पुल, एक सेतु, एक समन्वयकारी शक्ति के रूप में उभर रहा है। यही कूटनीतिक संतुलन 2026 को आशा का वर्ष बनाता है। सामरिक और रक्षा मोर्चे पर भारत की तैयारी आत्मनिर्भरता की दिशा में गहन संवर्धन का संकेत देती है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन, नौसैनिक विस्तार, साइबर और स्पेस-डिफेंस क्षमताओं का विकास, यह सब केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय तकनीकी स्वाभिमान का विस्तार है। पड़ोसी भौगोलिक चुनौतियों के बीच भारत सजग, संयमित और

दूरदर्शी नीति के साथ आगे बढ़ रहा है। डिजिटल इंडिया की परिकल्पना अब एक जीवंत सामाजिक परिवर्तन में रूपांतरित हो चुकी है। डिजिटल भुगतान, जनसेवा पोर्टल, नव प्रवर्तन आधारित स्टार्टअप इकोसिस्टम, ये सब नागरिक सशक्तिकरण के नए अध्याय रच रहे हैं। इसी के साथ अंतरिक्ष विज्ञान, एआई और अनुसंधान क्षेत्रों में भारत की उन्नत यात्रा आगे वाले वर्षों की नींव मजबूत करती है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मोर्चे पर भी देश एक लयबद्ध सुधार प्रक्रिया से गुजर रहा है। कौशल-विकास, टैली-हेल्थ और उच्च शिक्षा सहयोग जैसे कदम सामाजिक विकास के नये द्वार खोलते हैं। यह सही है कि अभी डिफेंस क्षमताओं का विकास, यह सब केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय तकनीकी स्वाभिमान का विस्तार है। पड़ोसी भौगोलिक चुनौतियों के बीच भारत सजग, संयमित और

आर्थिक शांति और पुनर्संतुलन का वर्ष बन सकता है। खाड़ी क्षेत्र में संवाद आधारित समाधान, रूस-यूक्रेन संघर्ष में वातांकी संभावनाएं, और इंडो-पैसिफिक में शक्ति-संतुलन, ये संकेत बताते हैं कि दुनिया धीरे-धीरे टकराव से सहयोग की ओर बढ़ना चाहती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की गति भले नियंत्रित रहे, पर तकनीकी, हरित ऊर्जा और नवाचार नए विकास इंजन बनकर उभर रहे हैं। कुल मिलाकर 2026 भारत और विश्व के लिए आशा का वर्ष इसलिए है क्योंकि यह केवल उपलब्धियों का वर्ष नहीं होगा, बल्कि मानवीय विश्वास, सहअस्तित्व और साझा भविष्य के संकल्प का वर्ष हो सकता है। भारत की विकासयात्रा अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक आत्मविश्वास की यात्रा भी है। यही विश्वास हमें यह कदम का साहस देता है कि आने वाला समय अवसरों का समय होगा, बशर्त हम अपने भीतर की ऊर्जा, विवेक और राष्ट्रीय एकजुटता को साथ लेकर आगे बढ़ें।

# एबीएन-अरेंज इकोनॉमी के लिए डिजिटल राजमार्ग



**डॉ. दिलीप सिंह**  
अर्थव्यवस्था रचनात्मक उद्योगों के सभी पहलुओं का योग है, जिसमें व्यापार, श्रम और उत्पादन शामिल हैं।

अरेंज इकोनॉमी, जिसे रचनात्मक या डिजिटल अर्थव्यवस्था भी कहा जाता है, अर्थशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों को नहीं बदलती है। बल्कि, यह दो प्रमुख तंत्रों—लागत में कमी और सशक्तिकरण—के माध्यम से आर्थिक प्रक्रियाओं को नया रूप देती है। डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर, अरेंज इकोनॉमी लेन-देन लागत, प्रतिकृति लागत, उत्पादन लागत और आपूर्ति श्रृंखला लागत को काफी कम कर देती है। साथ ही, यह भौगोलिक और सामाजिक सीमाओं से परे व्यक्तियों और समुदायों को राष्ट्रीय आर्थिक विकास में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाती है। लिंग, जाति, भूगोल, वर्ग आदि द्वारा निर्धारित पारंपरिक सीमाओं को पार करते हुए, इंटरनेट सामाजिक, क्षेत्रीय और आर्थिक विभाजनों से परे रचनाकारों को सशक्त बनाता है। इससे

डिजिटल शिक्षा में सुधार राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी है, क्योंकि पर्याप्त कौशल और जागरूकता के बिना सार्थक डिजिटल समावेशन संभव नहीं है। इसके अलावा, डिजिटल शिक्षा के बिना, वित्तीय समावेशन भी एक दूर का लक्ष्य बना हुआ है। यहां भी एबीएन परियोजना ग्रामीण शिक्षा को समर्थन देकर इस चुनौती का समाधान करने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकती है। प्रत्येक विद्यालय को मुफ्त एफटीटीएच कनेक्टिविटी प्रदान करके, केंद्रीकृत व्याख्यान हब स्थानों से दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाए जा सकते हैं। यह दृष्टिकोण न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करेगा बल्कि लागत को भी काफी कम करेगा, जिससे डिजिटल समावेशन में तेजी आएगी और ग्रामीण छात्रों को अरेंज इकोनॉमी में भाग लेने के लिए सशक्त बनाया जा सकेगा।

रचनात्मक उद्योगों में सामाजिक संपर्कों या शहरी पहुंच के बिना भी अपार संभावनाएं खुलती हैं।

2022-23 में, भारत की अर्थव्यवस्था का सकल घरेलू उत्पाद में 11.74 प्रतिशत का योगदान रहा, जो लगभग 31.64 लाख करोड़ था। यदि पूरे देश में नेट न्यूट्रैलिटी द्वारा समर्थित सार्थक और सार्वभौमिक डिजिटल कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाती है, तो इस योगदान में काफी वृद्धि होने की संभावना है। लगभग 1 अरब स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं और लगभग 9 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के साथ, भारत रचनात्मक उद्योगों के लिए एक विशाल बाजार प्रदान करता है। हालांकि, भारत में रचनात्मक उद्योगों के विकास में चुनौतियां भी हैं। आबादी का एक बड़ा हिस्सा, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, अभी भी इंटरनेट और डिजिटल साक्षरता से वंचित है।

के ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार घनत्व 50% से कम है, जबकि ग्रामीण कवरेज 95% से अधिक है। व्यापक इंटरनेट पहुंच के बावजूद, मध्य प्रदेश के 30% से भी कम लोग डिजिटल रूप से साक्षर हैं। डिजिटल साक्षरता की कमी न केवल डिजिटल रचनात्मक क्षेत्रों में भागीदारी को सीमित करती है, बल्कि मध्य प्रदेश की समृद्ध अर्थव्यवस्था को पूर्ण विकास क्षमता में भी बाधा डालती है। विश्व स्तर पर इस अनिवार्यता को पहचानते हुए, अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ ने 2020-2030 को कार्रवाई का दशक घोषित किया है, जिसका लक्ष्य 2030 तक प्रत्येक घर को सार्वभौमिक और सार्थक कनेक्टिविटी प्रदान करना है। भारत में, इस लक्ष्य को भारत सरकार के सार्वभौमिक सेवा दायित्व जनादेश के माध्यम से साकार किया जा रहा है, जिसके तहत डिजिटल भारत निर्देश के माध्यम से

व्यावसायिक रूप से अव्यवहार्य क्षेत्रों में कनेक्टिविटी के लिए वित्त पोषण किया जाता है। इस जनादेश के तहत एक प्रमुख पहल संशोधित भारतनेट (एबीएन) परियोजना है। यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत कार्यान्वित की जा रही है, जिसमें बीएसएनएल संरक्षक और कार्यवाहक की भूमिका निभा रहा है। मध्य प्रदेश लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र राज्य सरकार के साथ मिलकर निगरानी और समन्वय एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा डिजिटल रूप से डिजाइन किए गए राइट ऑफ वे पोर्टल के विकास के लिए विशेष प्रशंसा की जानी चाहिए, जिसने परियोजना कार्यान्वयन को काफी सुगम बनाया है। मध्य प्रदेश मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र है, जिसकी 80% से अधिक आबादी ग्रामीण है, जिसमें लगभग 23,000 ग्राम पंचायतों में विभाजित 55,000 से अधिक ग्राम शामिल हैं। एबीएन परियोजना का मुख्य उद्देश्य सभी ग्राम पंचायतों को एक रिंग-आधारित फाइबर नेटवर्क से जोड़ना है, जिससे विश्वसनीयता और समावेशिता सुनिश्चित हो सके। ताकि प्रत्येक व्यक्ति को राज्य की डिजिटल और आर्थिक यात्रा में समान अवसर मिल सके।

(लेखक-आइटीएस अधिकारी, एमपीएलएसए-भाूपाल में निर्देशक के रूप में कार्यरत, के विचार व्यक्तिगत हैं)

महाकौशल की डायरी

## सांसद खेल महोत्सव से खिलाड़ियों का मोह भंग क्यों...?



अविनाश दीक्षित

फिट इंडिया एवं खेलो इंडिया की राष्ट्रीय संकल्पना को धरातल पर साकार करने और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे द्वारा कही गई जबलपुर से अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के बाहर निकलने की बातों के साथ 3 दिवसीय सांसद खेल महोत्सव रानीताल ग्राउंड में संपन्न तो हो गया लेकिन ये आयोजन अपने पीछे खिलाड़ियों को कसक छोड़ गया। नतीजा ये हुआ कि सोशल मीडिया में सांसद खेल महोत्सव में विजयी खिलाड़ियों ने वीडियो अपलोड कर अपनी व्यथा सुनाई और आरोप लगाए कि आयोजन के पहले विजेता खिलाड़ियों व टीम को 21 हजार रुपए की इनामी राशि, प्रमाण पत्र व मैडल दिए जाएंगे लेकिन समापन के बाद विजयी खिलाड़ियों को 300, 500 और 1 हजार रुपए के लिफाफे पकड़ दिए गए जिसके बाद खिलाड़ियों का आक्रोश भड़क उठा और उन्होंने जिला खेल अधिकारी आशीष पांडे को ये लिफाफे, मैडल व प्रमाण पत्र वापस कर दिए। मामला यहीं तक थक गया नहीं था खिलाड़ियों की मानों तो जिला खेल अधिकारी ने उनसे ये तक कह दिया कि जो मिला है उसे रख लो नहीं तो उन सभी का खेल कैरियर बर्बाद कर दूंगा।

इस धमकी के बाद खिलाड़ियों का समूह भयभीत हो गया और फिर यही समूह सपोर्ट मांगने सोशल मीडिया का सहारा लेने लगा। मामले में जिला खेल अधिकारी आशीष पांडे ने यह कहकर विराम लगा दिया कि खिलाड़ियों को



इनाम की राशि को लेकर भ्रम हुआ था। अपने साथ हुई टगी के बाद विजयी खिलाड़ियों ने ये तो स्पष्ट कह दिया कि अब जबलपुर में दोबारा सांसद खेल महोत्सव हुआ तो वह इस आयोजन में शिरकत नहीं करेंगे। हैरानी तब भी हुई जब सांसद आशीष दुबे ने मामला उठने के बाद जांच के निर्देश तो दिए लेकिन कई दिन गुजर जाने के बाद ये जांच कहाँ अटक गई, इसका कोई सुराग सामने नहीं आया, जिस पर खिलाड़ियों ने सांसद के बारे में कह दिया कि सांसद महोदय ये चुप्पी आपकी ठीक नहीं है।

### प्रतिनियुक्ति पर आए और अंगद की तरह जमा लिए पैर....

नगर-निगम जबलपुर में पता नहीं ऐसा क्या है कि दूसरे जिलों से प्रतिनियुक्ति पर आने वाले अधिकारी-कर्मचारी अगर यहां आ गए तो वापस अपने मूल विभाग में कभी नहीं जाते, जबकि कुछ साल पूर्व प्रदेश सरकार ने अधिकारी-कर्मचारियों को दूसरे विभाग या दूसरे जिले में प्रतिनियुक्ति पर भेजने के फैसले पर रोक लगा दी थी और निर्देश जारी किये थे कि प्रतिनियुक्ति पर आने वाले कर्मचारी अधिकारी को उनके मूल विभाग में भेजा जाये लेकिन नगर निगम जबलपुर में ये देखा जा रहा है कि सालों से प्रतिनियुक्ति पर आए कई अधिकारी-कर्मचारी अंगद के पैर की तरह कुर्सी पर जमाए हुए हैं।

### कागजों में 14, हकीकत में कुछ और...

जबलपुर के जिला अस्पताल विक्टोरिया में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर बर्फानी सिवयोरिटी सर्विसेस ने ऐसा कारनामा किया जिसने अस्पताल प्रबंधन की साख पर बड़ा लगा दिया। साख इसलिए भी खराब हुई क्योंकि अस्पताल प्रबंधन ठेका कंपनी का भ्रष्टाचार सामने आने के बाद भी उसकी तरफदारी करते नजर आए। हुआ यू कि सीएमएचओ डॉ. संजय मिश्रा जिला अस्पताल विक्टोरिया के आंचक निरीक्षण पर निकले तो ड्यूटी पर तैनात एक सुरक्षा गार्ड ने कलाई खोलते हुए साहब से कहा कि अस्पताल में सिर्फ दो ही सुरक्षा गार्ड ड्यूटी करते हैं, ये सुनकर साहब ने जवाब दिया कि वेक कर्मचारी तो सामने आया कि टेका कंपनी अस्पताल में 14 सुरक्षा कर्मियों का वेतन हर महीने लेकर सरकारी खजाने को खाली कर रही है जबकि हकीकत में दो गार्ड ही नौकरी कर रहे हैं। आनन-फानन में सिविल सर्जन द्वारा बर्फानी सिवयोरिटी सर्विसेस को नोटिस जारी किया गया और जवाब तलब किया गया। इस खुलासे ने स्वास्थ्य विभाग के सभी जिम्मेदारों के पैरों के नीचे की जमीन खिसका दी, ठेका कंपनी ऐसा भ्रष्टाचार कितने सालों से कर रही है ये कह पाना फिलहाल मुश्किल है क्योंकि मामला जांच की जद में है मगर यह देखा दिनचर्या होगा कि कार्रवाई कहां तक पहुंच पाती है। सुत्रों पर यकीन करें तो सीएमएचओ ने अस्पताल प्रबंधन प्रमुख को भी तलब किया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि कार्रवाई की आंच कई लोगों के गिरेबान तक जा सकती है। इस अस्पताल का एक अन्य मामला काबिलेगौर है जिसमें शोचालयों में लगी सफाई लिस्ट भी विगत अक्टूबर माह से नहीं बदली गई है, जाहिर है कि सफाई कर्मचारी सिर्फ हाजिरी लगाने ही अस्पताल आते हैं। विदित हो कि शहर के कई बार्डों में सफाई व्यवस्थाओं में लापरवाही बरतने पर बर्फानी सिवयोरिटी सर्विसेस का ठेका तक निगमायुक्त द्वारा निरस्त कर दिया गया है और ये ठेका कंपनी लापरवाही और भ्रष्टाचार के लिए शहर में मशहूर हो चुकी है।



## नए वर्ष से कौनसी उम्मीद रखें

अनिश्चितता और विरोधाभास से भरा पिछला वर्ष बीत गया। नए वर्ष 2026 पर उसकी छाया रहंगी, क्योंकि विश्व के सामने ऐसे अनेक प्रश्न हैं जो अनसुलझे पड़े हैं। अमेरिका ने भारी भरकम टैरिफ लादकर हमारे निर्यात व्यापार को गहरी चोट पहुंचाई है। ऐसा प्रयास होना चाहिए



कि ऐसा द्विपक्षीय व्यापार समझौता हो जो भारत के आर्थिक हितों के अनुकूल हो। रूस-यूक्रेन युद्ध कब समाप्त होगा, कहा नहीं जा सकता। समझौता कराने के ट्रप के प्रयास सफल नहीं हो पाए। विश्व में कहीं भी युद्ध हो, वह अनेक देशों की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इजराइल ने गजा में भयानक विनाशालीला की लेकिन यूएन कुछ नहीं कर पाया। यह विश्व संगठन अमेरिका के खिलाफ नहीं जाता क्योंकि उसी के अनुदान पर उसका काम चलता है। इतने वर्षों में भारत सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट से वंचित है। क्या नए साल में कुछ हो सकता है? भारत के सामने चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की गंभीर चुनौती है। नेपाल को भी चीन भारत के खिलाफ बरगलता रहता है।

नए वर्ष में किसी बदलाव के आसार कम ही नजर आते हैं। सोना-चांदी के रिकार्ड तोड़ दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये का बुरी तरह गिरना अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। क्या भारत, रूस व चीन अपनी मुद्दाओं में व्यापार कर डॉलर का विकल्प खोज निकालेंगे? आज भारत के पास युवा शक्ति है लेकिन उसके पास काम नहीं है। एआई की चुनौती कितने ही जॉब कम कर सकती है। विद्यार्थी व लेखक की मौलिक लेखन की बजाय एआई पर निर्भर होते चले जा रहे हैं। समय के साथ कदमताल करते हुए एआई तथा क्वॉटम कंप्यूटिंग में निवेश बढ़ाना होगा। वायु

प्रदूषण की गंभीर चुनौती से देश की राजधानी जुझ रही है। देश के पिछड़े इलाकों से रोजगार की तलाश में लोग बड़ी तलाश में पलायन करते हैं। इसका हल सोचा जाना चाहिए। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा का विकास कर कोयला या पेट्रो उत्पादनों का इस्तेमाल यथासंभव कम करना होगा। पूर्वोत्तर के लोग अन्य राज्यों में हिंसा के शिकार हो रहे हैं। नस्ल विरोधी कानून बनाकर उन्हें संरक्षण दिया जाए।

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12129

—डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4	5
6		7		
8		9		10
11		12		13
14				
			15	16
17	18	19		20
21				22

Solution 12128

न	ल	क	र	न	द	द
ह	य	ब	द	म	श	
र	क	म		श	म	त
	ल	प	न	ल	र	
स	र	द	र	श	व	क
ल	स	द	ह	क	श	
ह	र	मी	त्या	पा		
ज	ज	स	ह	न	य	

**बाएं से दाएं**  
1. बुदबुदा, पानी का बुल्ला 4. भुकड़ी, फलों आदि पर उत्पन्न होने वाली सफेद काई 6. द्रव पदार्थ के नीचे बैठने वाला मैल 8. पुत्र 9. कला का ज्ञाता, अभिनेता 12. वाराणसी 14. धनवान 15. निरपेक्ष 17. पता, गिरना 19. मनुष्य की ऊंचाई के बराबर (उड़) 21. वर-पथ द्वारा अग्नि के सात फेरे लगाता 22. नमस्कार, प्रणाम

**ऊपर से नीचे**  
1. भगवान गौतम बुद्ध के जन्मदिन पर

## ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर ( म.प्र. )

### आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में मित्र से भेंटवार्ता होगी, आर्थिक सहयोग मिलेगा, शिक्षा के क्षेत्र में अचानक यात्रा होगी, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में मन नहीं लगेगा, व्यापार व्यवसाय में व्यर्थ भागदौड़ एवं व्यय में वृद्धि होगी, मित्र के कारण तनाव रहेगा, वर्ष के अन्त में प्रतिष्ठा एवं यश में वृद्धि होगी, घरेलू कार्यों में व्यस्तता रहेगी, खर्च पर नियंत्रण रखें।

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को लाभ प्राप्त होने का योग है, वृष और

तुला राशि के व्यक्तियों को मान सम्मान बढ़ेगा, शिक्षा के क्षेत्र में वृद्धि होगी, मान सम्मान बढ़ेगा, पारिवारिक जीवन सुखमय बना रहेगा, यात्रा का योग है, कर्क और सिंह राशि के व्यक्तियों को शत्रुओं के षडयंत्र से सतर्कता बांछनीय, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को संयम से कार्य करना हितकर रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों का बचपन की मित्रता का लाभ प्राप्त होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों का साहस बना रहेगा।

**मेघ**- मित्र मण्डली के सहयोग से काम में आसानी होगी, अपनों का व्यवहार दुखी करेगा, वाहन चलाते समय यथेष्ट सतर्कता बांछनीय, यश प्रतिष्ठा बनी रहेगी।  
**वृषभ**- विवाहित मामलों आपकी पहल से हल हो सकते हैं, अनुभवी लोगों से लाभ होगा, साहस पराक्रम में वृद्धि होगी, मान सम्मान प्राप्त होगा, पुरानी समस्या हल होगी।  
**मिथुन**- व्यापारिक लेनदेन के पुराने मामले सुलझने से मन में संतोष रहेगा, कौटुंबिक मामलों में सावधानी रखें, संतान की चिंता रह सकती है।  
**कर्क**- भावोदय के अवसर मिलेंगे, सहयोगियों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, मन में संतोष रहेगा, परिश्रम की अधिकता रहेगी, मान सम्मान प्राप्त होगा।

**सिंह**- कार्यस्थल पर अपमान का भय है, तनाव की स्थिति में फैसला नहीं ले पायेंगे, राक्षसीय क्षेत्र में यश और प्रतिष्ठा बढ़ेगी, अच्छे अवसरों का लाभ मिलेगा।  
**कन्या**- जोखिम के कार्यों से दूर रहें, व्यापारिक साझेदारी लाभदायी हो सकती है, अनसोचे कार्यों में व्यस्तता रहेगी, घुट आरोपों से बचें।  
**तुला**- अनुभवी लोगों का साथ लाभकारी रहेगा, प्रायर्त संबंधी कार्य बनेंगे, राक्षसीय क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी, पारिवारिक मतभेदों से बचें, समय पर लाभ प्राप्त होगा।  
**वृश्चिक**- निर्धारित कार्यक्रम में बदलाव से परेशानी होगी, साझेदारी से लाभ होगा, धार्मिक एवं आर्थिक कार्य बनेगा, मन में शांति और संतोष का अनुभव होगा।

### आज जन्म शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बालक सुंदर, सुशील, व्यक्तित्वान होगा, शरीर से कोमल तथा भावुक होगा, दूसरों को शौध ही अपनी ओर आकर्षित करने में सफल होगा. पिता का भक्त होगा.

### उदयकालीन ग्रह चाल

9	8	के.7 मू. चं. मू.	6	मू.	5
	10	श.		4	
11		1	रा.	2	3

### पंचांग

रा.मि. 12 संवत् 2082 पौष शुक्ल चतुर्दशी शुक्रवासे शम 6/12, मृगशिरा नक्षत्रे रात 7/54, शुक्ल योगे दिन 1/4, गर करण ३.५, 6/46, सू.अ. 5/14, चन्द्रचार वृषभ दिन 8/42 से मिथुन, पूर्व-पूर्णिमा व्रत, शु.रा. 3.5,6,9,10,1 अ.रा. 4,7,8,11,12,2 शुभांक-5,7,1.

### व्यापार भविष्य

पौष शुक्ल चतुर्दशी को मृगशिरा नक्षत्र के प्रभाव से रूई, कपास, चावल, चांदी, नमक सरसों अलसी लाख गेहूं, जौ, चना के भाव में वृद्धि होगी, गुड, खांड के भाव में साधारण उठाव आयेगा. भाव्यांक 26.12 है.

### SUDOKU 7261

		8				1	5	
2				1	8			
3		4		6	7		9	
5				9				
	9		2	3	4	7		
				1				8
4	7	6		5				1
	6	7						4
	5	3				2		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक है. इनका क्रमवारी होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहली का केवल एक ही हल है.

जबलपुर से-दो-दो-7260

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9